तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, शुक्रवार 12 जून 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

12 केशकाल घाट में 3 घंटे लगा मेगा जाम यात्री और ट्रक...

12 मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर की गई विशेष...

खबर संक्षेप

एनएमडीसी प्लांट में नष्ट होगा 22 क्विंटल गांजा

जगदलपुर। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा ने बताया कि उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में दायर क्रिमिनल अपील क्रमांक 652/12 भारत संघ विरूद्ध मोहनलाल में पारित दिशा-निर्देश के पालन में गठित जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति द्वारा गांजा को नगरनार में एनएमडीसी के भस्मीकरण संयंत्र के माध्यम से नष्टीकरण किये जाने का निर्णय लिया गया है। 15 जून को 772.482 किलोग्राम गांजा एवं सिरप 65 नग, 16 जून को 981.198 किलोग्राम गांजा और 17 जून को 480.968 किलोग्राम गांजा कुल- 2234.648 किलोग्राम गांजा एवं सीरप 65 नग शामिल है।

प्रयास परीक्षा का संशोधित मॉडल उत्तर हुए जारी

जगदलपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अनुसार मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत संचालित प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालयों में 9वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्चयन परीक्षा का संशोधित मॉडल उत्तर जारी कर दिया गया है। गौरतलब है कि प्रवेश परीक्षा का आयोजन 10 मई को किया गया था। परीक्षा के उपरांत 20 मई को मॉडल उत्तर जारी कर अभ्यर्थियों एवं संबंधित पक्षों से दावा-आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं। दावा-आपत्तियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 मई निर्धारित की गई थी।

गर्मी में पैदल चलकर दूर से लाना पड़ता है पानी

3 साल से पेयजल की गंभीर समस्या से जूझ रहे बांडाकोट के ग्रामीण

चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत तारागांव के आश्रित ग्राम बांडाकोट धाकड़पारा में पिछले तीन वर्षों से पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। गांव में पेयजल सुविधा एवं जल आपूर्ति लंबे समय से खराब है। जिसके कारण ग्रामीणों को प्रतिदिन पेयजल के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में स्थिति गंभीर हो जाती है जब ग्रामीणों, महिलाओं एवं बच्चों को दूर-दराज के जल स्रोतों से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभाग, पंचायत प्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित एवं मौखिक शिकायतें दी हैं लेकिन आज तक समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। शिकायत करने पर अधिकारियों द्वारा यह कहकर आश्वासन दिया जाता रहा कि मामला उच्च स्तर पर भेजा गया है अथवा रायपुर स्तर पर लंबित है, लेकिन तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी ग्रामीणों को पेयजल सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए उन्हें प्रतिदिन संघर्ष करना पड़ रहा है। इससे न केवल दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है बल्कि बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं के घरेलू कार्य तथा ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन बांडाकोट धाकड़पारा के ग्रामीण आज भी इन सुविधाओं से वंचित हैं।

अफसरों और जनप्रतिनिधियों से मिल रहा केवल कोरा आश्वासन

ये रहे मौजूद

जिला महामंत्री संतु कश्यप, चित्रकोट विधानसभा अध्यक्ष कमल बघेल, युवा अध्यक्ष सूरज कश्यप, सनकु मांडवी, चालकी मांडवी, कमल ठाकुर, यूपी ठाकुर, डुमरी ठाकुर, पिंकी ठाकुर, जयमन बघेल, मनु कश्यप, भगत मांडवी, दानु मांडवी, अनिल मांडवी, सुदु कश्यप, सुकलु मांडवी, सुको कश्यप तथा अन्य ग्रामीणों ने एक स्वर में प्रशासन से मांग की कि गांव की पेयजल समस्या का तत्काल निराकरण किया जाए।

प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण

ग्रामीणों की समस्या की जानकारी मिलने पर बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गांव पहुंचे और उनकी समस्याओं को सुना। पदाधिकारियों ने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से ग्रामीणों को वर्षों तक वंचित रखना प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है। उन्होंने संबंधित विभाग से तत्काल खराब पड़ी जल व्यवस्था की मरम्मत कर नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

जनआंदोलन किया जाएगा

संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीणों के साथ मिलकर जनआंदोलन किया जाएगा तथा जिला प्रशासन से लेकर राज्य शासन तक इस मुद्दे को उठाया जाएगा।

कड़ी सुरक्षा के बीच हुई बीएड-बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा

परीक्षा केंद्र के बाहर ही उतरवाए गए कान की बाली से लेकर हाथ के धागे तक

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा बस्तर संभाग के परीक्षार्थियों के लिए गुरुवार को प्री-बीएड और बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन कड़े सुरक्षा प्रबंधों और सख्त नियमों के बीच सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। कड़ाई इतनी थी कि कान की बाली से लेकर हाथ के धागे तक परीक्षा केंद्र के बाहर उतरवाए गए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

स्थानीय स्तर पर की गई व्यापक तैयारियों के साथ परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक निर्धारित किया गया था, जिसके लिए जगदलपुर में कुल 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इस बार प्री-बीएड की परीक्षा के लिए 9 केंद्र तय किए गए थे, जिनमें शासकीय काकतीय पीजी कॉलेज धरमपुरा, बाल विहार हायर सेकण्डरी स्कूल, शासकीय दन्तेश्वरी पीजी महिला महाविद्यालय, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल, शासकीय बहुउद्देशीय हायर सेकण्डरी स्कूल, सेजेस शासकीय कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल गीदम रोड, और स्वामी आत्मानंद स्कूल धरमपुरा, अग्रसेन चैक व रेलवे कालोनी शामिल रहे। इन 9 केंद्रों पर पंजीकृत कुल 2,938 परीक्षार्थियों में से 2,219 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 719 अनुपस्थित पाए गए। वहीं दूसरी ओर बीएससी नर्सिंग की परीक्षा शेष 4 केंद्रों पर आयोजित की गई। जिनमें

बीएड प्रवेश परीक्षा में 2,219 और नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में 719 परीक्षार्थी हुए शामिल

शहीद गुण्डाधूर कृषि कॉलेज कुम्हरावण्ड, धरमु माहरा शासकीय महिला पॉलिटेक्निक धरमपुरा, शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल पथरागुड़ा और शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल आसना को केंद्र बनाया गया था। नर्सिंग परीक्षा के लिए कुल 1,040 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 725 अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और 315 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों परीक्षाओं को मिलाकर बस्तर जिले में कुल 2,944 परीक्षार्थी शामिल हुए।

▶▶ शेष पेज 12 पर

मेटल डिटेक्टर से हुई जांच

कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार प्रशासन ने निष्पक्ष, पारदर्शी और कड़ाई से परीक्षा संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे, जिसके तहत सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर तय समय से ढाई घंटे पहले पहुंचना अनिवार्य किया गया था। परीक्षा केंद्रों के मुख्य द्वार पर मेटल डिटेक्टर से सभी परीक्षार्थियों की सघन जांच की गई और इसके बाद ही वीक्षकों द्वारा इंटरनेट से निकाले गए साफ-सुथरे मूल प्रवेश पत्र तथा मूल पहचान पत्र का गहन सत्यापन करके उन्हें प्रवेश दिया गया। जिन परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र में फोटो स्पष्ट नहीं थी, उन्हें अपने साथ दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो लाने की सलाह दी गई थी।

नकल रोकने प्रशासन की सख्ती

परीक्षा के दौरान कड़े नियमों का पालन करना अनिवार्य था, जिसके तहत परीक्षार्थी केवल हल्के रंग की हाफ टी-शर्ट या हल्के कपड़े और पैरों में चप्पल पहनकर ही परीक्षा देने पहुंचे क्योंकि जूता-मोजा पहनकर आने की अनुमति नहीं दी गई थी। इसके अलावा कान के आभूषण जैसे बाली या झूमका, घड़ी, पर्स, मोबाइल, बेल्ट, स्कार्फ, टोपी, चश्मा, हाथ में बंधे धागे और किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक या संचार उपकरण परीक्षा केंद्र में पूरी तरह वर्जित रहे।

4.77 लाख का 500 बोरा अवैध धान सहित ट्रक जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

मंडी बोर्ड के संयुक्त संचालक की टीम ने अवैध धान परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए, 4 लाख 77 हजार 800 रुपए कीमत का 500 बोरा (लगभग 200 क्विंटल) अवैध धान के साथ ट्रक जप्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जेडी को गुरुवार की सुबह लगभग 7.30 बजे मुखबिर की सूचना मिलने पर मंडी की टीम भेजा गया। कृषि उपज मंडी कांकेर के उप निरीक्षक सुश्री सीमा कुंजाम एवं निमेश ठाकुर अमोड़ा भर्री टोला पहुंचे, जहां ट्रक को रोक कर तलाशी की तो धान का कोई भी दस्तावेज नहीं पाया गया।

▶▶ शेष पेज 12 पर

बिना दस्तावेज कार्रवाई

बताया जा रहा है कि अवैध रूप से दूसरे राज्यों से लाए जा रहे उपज को रोकने के लिए राज्य के सीमावर्ती जिलों में बैरियर में वाहनों की तलाशी की जा रही है। बिना दस्तावेजों के उपज बेचने वाले बिचौलियों और कोचियों पर मंडी अधिनियम 1972 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है।

उपज रोकथाम

राज्य कृषि विपणन मंडी बोर्ड बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि 11 मंडी सचिवों को निर्देश दिया कि मंडी में उपज की आवक बढ़ाएं, जिससे मंडी की आय बढ़े। साथ ही अवैध उपज मिलने पर मंडी अधिनियम से जुर्माना करें।

अधूरी सड़क ने सरकार के विकास मॉडल की खोली पोल : मौर्य

कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

व्यस्त मार्ग पर लंबे समय से अधूरे पड़े सड़क निर्माण कार्य के विरोध में कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मौर्य ने कहा कि सरकार लगातार विकास के बड़े-बड़े दावे करती है लेकिन जमीनी हकीकत विपरीत है। शहर की यह प्रमुख सड़क महीनों से अधूरी पड़ी हुई है, जिससे प्रतिदिन हजारों नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी मार्ग से भाजपा के बड़े नेताओं का नियमित आवागमन होता है। प्रदेश अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक का शासकीय कार्यालय भी इसी मार्ग पर स्थित है पार्षद भी भाजपा से है बावजूद सड़क की दुर्दशा को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई गई। सड़क निर्माण कार्य की धीमी गति और प्रशासनिक उदासीनता ने लोगों का जीवन मुश्किल बना दिया है। जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी हुई सड़क और अधूरे निर्माण कार्य के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में तथा शहर जिला व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेंद्र पटवा की अगुवाई में विरोध प्रदर्शन हुआ।

▶▶ शेष पेज 12 पर

ये रहे मौजूद

इस दौरान जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अतिरिक्त शुक्ला, रविशंकर तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष बलराम यादव, महामंत्री अभिषेक नायडू, प्रशांत जैन,जाहिद हुसैन, सुषमा सुता, मंडल अध्यक्ष वेंकट राव, ललिता राव, विजेंद्र ठाकुर,सचिव सलीम अली,मोहसिन खान,अंकित सिंह,ज्योति राव,माही श्रीवास्तव,पार्षद शुभम यदू,लोकेश चौधरी, आभास महंती, कमलेश पाठक,शंकर सेन, जयशंकर श्रीवास,आनंद पत्ती, संगीता, निशा, दीपक, शंकर पटेल मौजूद रहे।

नयापारा मुख्य मार्ग का योजनाबद्ध तरीके से होगा चौड़ीकरण : आलोक

धरना देने पहुंचे कांग्रेसियों का भाजपा पार्षद ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

मोतीलाल नेहरू वार्ड में निमार्णाधीन नयापारा मुख्य मार्ग को लेकर कांग्रेसी विरोध प्रदर्शन को पहुंचे थे। भाजपा नेता तथा वार्ड पार्षद आलोक अवस्थी ने धरना प्रदर्शन करने पहुंचे कांग्रेसियों का शिष्टाचार स्वरूप स्वागत किया और बातचीत की। उन्होंने जारी बयान में कहा कि स्पष्ट नीति, साफ नीयत और ठोस निर्णय के साथ नयापारा मुख्य मार्ग का योजनाबद्ध रूप से चौड़ीकरण किया जा रहा है। बस्तर हाई स्कूल व छात्रावास की बाउंड्री वाल को पीछे कर सड़क की चौड़ाई बढ़ानी है। मार्ग में स्थित दो वाटर पंप हाउस को किनारे शिफ्ट करने व नई पाईप लाईन बिछाने की तकनीकी परेशानी दूर की जा रही है। नयापारा मुख्य मार्ग का योजनाबद्ध चौड़ीकरण कार्य तेजी से विस्तार पाते शहर और बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुये कराया जा रहा है। विगत आठ वर्षों से इस महती कार्य के लिये निरंतर प्रयास किया जा रहा था। क्षेत्रीय विधायक किरण सिंह देव की पहल से नयापारा मुख्य मार्ग चौड़ीकरण कार्य भव्य रूप पायेगा। जिसमें ड्रेन टू ड्रेन 10 मीटर की सड़क और दोनों ओर 1-1 मीटर चौड़ी नाली का निर्माण होना है।

बैठक में किसानों को सशक्त बनाने पर हुआ मंथन

योजनाओं का लाभ दिलाने अग्रणी भूमिका निभाएं किसान मोर्चा: पांडेय

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की जिला कार्यसमिति की बैठक जिला कार्यालय में की गई। जिसमें संगठन को सशक्त बनाने व अंचल के किसानों के हित में कार्य करते रहने का मार्गदर्शन वरिष्ठों ने दिया। जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे ने कहा कि किसान मोर्चा के कार्यकर्ता किसान के हितों की चिंता करते हुये पंचायत स्तर पर किसानों को अधिक से अधिक शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने अग्रणी भूमिका निभायें।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

किसानों से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निदान के सतत प्रयत्नशील रहें। किसान मोर्चा को मजबूत कर संगठन को सशक्त बनाने के लिये कार्य करें। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा ने किसानों द्वारा समय पर खाद बीज देने और जैविक खेती के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा का दायित्व बहुत बड़ा है। किसान मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता क्षेत्र के किसानों के साथ खड़ा रहे व किसानों के लाभ, उनकी दिक्कतों को दूर करने सदैव सहयोगी बनें। किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष योगेश सिंह ठाकुर ने 21 जून तक चल रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के सभी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने की बात कही।

ये रहे उपस्थित

बैठक में जिला उपाध्यक्ष नरसिंह राव, ललिता बघेल, रामकुमारी यादव, जिला महामंत्री परिस राम बेसरा, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष जीतेन्द्र सेठिया, सतीश सेठिया,बिष्णु प्रताप, संगीता बघेल, मुरली सेठिया, राम केसरी गोयल, फकीर कश्यप आदि सहित मोर्चा के सदस्य, सभी मण्डलों के अध्यक्ष, महामंत्री व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

नैनो उर्वरक से बढ़ी आय लागत में भी आई कमी

कोण्डागांव। कृषि विभाग की पहल से जिले में आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा मिल रहा है।

बड़ेराजपुर विकासखंड के किसान अशोक शार्दुल ने नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के उपयोग से खेती में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अशोक शार्दुल ने बताया कि पहले प्रति एकड़ दानेदार डीएपी पर लगभग 1,850 रुपए खर्च होते थे। अब नैनो डीएपी के उपयोग से यह खर्च घटकर करीब 1,200 रुपए रह गया है। नैनो उर्वरकों के उपयोग से जहां पहले प्रति एकड़ 20 से 25 क्विंटल उत्पादन मिलता था, वहीं अब 30 से 35 क्विंटल तक उत्पादन प्राप्त हो रहा है। नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया के छिड़काव से पोषक तत्व सीधे पौधों तक पहुंचते हैं, जिससे पौधों की वृद्धि बेहतर होती है और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। नैनो उर्वरकों के उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है तथा खेती अधिक टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल बन रही है। विभाग ने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने और आय बढ़ाने की अपील की है।

धनौरा में जिलास्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

धनोरा। ग्राम पंचायत में सुशासन तिहार अंतर्गत जिलास्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। राज्य शासन की मंशा अनुरूप चलाए जा रहे सुशासन तिहार के तहत इसका आयोजन किया गया। ताकि ग्रामीणों व्यक्तिगत हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा सके। शिविर में आवेदन प्राप्त हुए तथा सामग्री वितरण भी किया गया। शिविर के कांकेर लोकसभा सांसद भोजराज नाग, पूर्व विधायक केशकालसेवक राम नेताम,जिला पंचायत सदस्य कपिलकांत नाग, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नंदिनी पोटाई, जनपद सदस्य हीरमो कुंजाम, प्रेमराज बघेल, धनोरा उप सरपंच मंडल अध्यक्ष संतोष सिंहा, सरवन दीपक और श्रीराम यदु तथा अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि भी सम्मिलित हुए।

दिव्यांग को मिली व्हीलचेयर, दयानंद के चेहरे पर मुस्कान

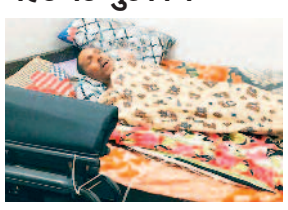

कोण्डागांव। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के सहयोग से बाबा साहेब सेवा संस्था द्वारा भेलवापदर वार्ड निवासी दयानंद शर्मा को व्हीलचेयर प्रदान की गई। इस सहयोग से दयानंद शर्मा को दैनिक जीवन में आने–जाने और अन्य आवश्यक कार्यों में काफी सुविधा मिलेगी। बाबा साहेब सेवा संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। इसी उद्देश्य के तहत संस्था लगातार जनहित और जनसेवा से जुड़े कार्य कर रही है। दिव्यांगजनों और जरूरतमंदों के जीवन को आसान बनाने की दिशा में किया गया यह प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश देने वाला है। जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग और बाबा साहेब सेवा संस्था की यह पहल सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक पंचू सागर, सामाजिक कार्यकर्ता शैलेश शुक्ला, उपाध्यक्ष हितेंद्र श्रीवास, देवानंद चौरे, मुकेश मार्कंडेय, मनोज शर्मा, अनूप विश्वास सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

राज्य में सर्वाधिक वन अधिकार पट्टे बांटने वाले कोंडागांव में वन विभाग की कार्रवाई

100 एकड़ से अधिक वनभूमि से हटाया गया अवैध कब्जा

वन विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मुलमला रेंज के मालगांव, धुंसी और बुडरा क्षेत्र में लगभग 100 एकड़ वनभूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। वर्षों से घने जंगलों को काटकर यहां खेती की जा रही थी। वनभूमि पर मकान बनाकर स्थायी कब्जा किया जा चुका था। उल्लेखनीय है कि कोंडागांव जिला पूरे राज्य में सर्वाधिक वन अधिकार पट्टे वितरित करने के लिए जाना जाता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

वन विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार ग्राम कुम्हारी पंचायत निवासी बजरंग नेताम तथा बड़े कनेरा पंचायत निवासी चौतन्य कश्यप सहित अन्य लोगों द्वारा वर्ष 2010 से लगातार वनभूमि पर कब्जा बढ़ाया जा रहा था। धीरे–धीरे जंगलों की कटाई कर सैकड़ों बहुमूल्य वृक्षों को समाप्त कर दिया गया। कई पेड़ों में गार्डलिंग कर उन्हें सुखाया गया, कुछ स्थानों पर आग लगाई गई। रसायनों का प्रयोग कर वृक्षों को धीरे–धीरे समाप्त किया जा रहा था। विशाल वन क्षेत्र को खेती योग्य भूमि में बदल दिया गया। वन अधिकारियों के अनुसार करोड़ों रुपये मूल्य की वन संपदा को नुकसान पहुंचाया गया। प्राकृतिक वन क्षेत्र का स्वरूप पूरी तरह बदल दिया गया था।

लगातार नोटिस के बाद भी नहीं हटाया

दक्षिण मंडल कोंडागांव के एसडीओ आशीष कोटलीवार ने बताया कि संबंधित अतिक्रमणकारियों को कई बार नोटिस जारी कर वनभूमि खाली करने के निर्देश दिए गए थे। विभाग द्वारा लगातार समझाइश और वैधानिक प्रक्रिया अपनाई गई, लेकिन कब्जाधारियों ने भूमि खाली नहीं की। जब सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी हो गईं, तब वन विभाग ने राजस्व और पुलिस विभाग के सहयोग से संयुक्त अभियान चलाने का निर्णय लिया। बड़ी संख्या में पुलिस जवानों के साथ महिला पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। कार्रवाई के दौरान अमले के लिए जंगल में ही भोजन बनाया गया।

सामान निकाला फिर चला बुलडोजर

प्रशासन ने कार्रवाई के दौरान मानवीय संवेदनशीलता का भी परिचय दिया। वनभूमि पर बने मकानों को हटाने से पहले अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वयं घरों के भीतर रखा सामान बाहर निकलवाया ताकि किसी का निजी सामान क्षतिग्रस्त न हो। इसके बाद अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें जमींदोज किया गया और पूरी भूमि को वन विभाग के कब्जे में ले लिया गया।

दोबारा रोपा जाएगा जंगल

वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई 100 एकड़ भूमि पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। विभाग का लक्ष्य नष्ट हुए वन क्षेत्र को पुनर्जीवित करना और हरित आवरण को बढ़ाना है। वन अधिकारियों का कहना है कि आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र पुनः घने जंगल के रूप में विकसित किया जाएगा।

एक दिन पहले हुई दुर्घटना में फंसी गाड़ी के कारण बिगड़े हालात

केशकाल घाट में 3 घंटे लगा मेगा जाम यात्री और ट्रक चालक होते रहे परेशान

नेशनल हाईवे-30 केशकाल घाटी में गुरुवार सुबह से ही मेगा जाम की स्थिति बनी रही। घाटी से लेकर शहर तक करीब 2 से 3 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि बीते दिन बुधवार को एक गाड़ी से दुर्घटना हो गई थी, जिसके कारण जाम लग गया था। शाम और गुरुवार सुबह भी जाम कि स्थिति रही। कई घंटे के बाद केशकाल पुलिस ने यातायात बहाल किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| केशकाल

केशकाल घाटी का घुमावदार और संकरा रास्ता पहले से ही संवेदनशील माना जाता है। जाम और भारी वाहनों की अधिकता से यहां दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। ऐसे में बायपास का निर्माण सुरक्षा के लिहाज से भी बेहद जरूरी माना जा रहा है। रायपुर से बस्तर को जोड़ने वाला यह प्रमुख मार्ग रोजाना हजारों वाहनों का दबाव झेलता है।

भारी वाहन, ट्रक और बसों की लंबी कतारें केशकाल घाटी में आम दृश्य बन चुकी हैं। घंटों तक लगने वाले जाम से न सिर्फ यात्रियों का समय बर्बाद हो रहा है, बल्कि आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं।

कई आपातकालीन सेवाएं भी होती हैं प्रभावित

ओवरटेकिंग से बचे और धीरे चलें: पुलिस

गौरतलब है कि, केशकाल पुलिस द्वारा घाटी क्षेत्र में लगातार चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। ओवरटेकिंग से बचने की अपील की जाती रही है, लेकिन वाहन चालक नियमों का पालन करते नजर नहीं आ रहे हैं। लापरवाही के चलते आए दिन घाटी में जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। फिलहाल, केशकाल पुलिस मौके पर पहुंचकर वन-वे व्यवस्था लागू कर यातायात बहाल करने में सफल हुई। पुलिस द्वारा धीरे-धीरे वाहनों को निकाला गया, जिससे यातायात सामान्य हुआ। प्रशासन ने वाहन चालकों से घाटी मार्ग में सावधानी बरतने और अनावश्यक ओवरटेकिंग से बचने की अपील की है।

दशकभर से अधर में लटका 300 करोड़ का प्रोजेक्ट

बायपास परियोजना कोई नई नहीं है। पिछले करीब 10 वर्षों से यह योजना अधूरी पड़ी हुई है। वर्ष 2016 में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने करीब 308.77 करोड़ रुपए की लागत से इसका निर्माण शुरू कराया था, जिसे अगस्त 2019 तक पूरा होना था। प्रशासनिक पेचों के कारण यह काम बीच में ही अटक गया। जब इस बायपास के लिए पहली बार टेंडर हुआ था तो मुंबई की वलेचा इंजीनियरिंग लिमिटेड कंपनी को इसका ठेका दिया गया था, लेकिन वर्षों बीतने के बाद भी परियोजना अधूरी है। स्थानीय विधायक नीलकंठ टेकाम के प्रयासों से 15 जून 2025 को केंद्र सरकार ने इस बायपास को 4 लेन में अपग्रेड करने के लिए 307.96 करोड़ रुपए की नई स्वीकृति दी। लेकिन 5 महीने बीत जाने के बाद भी निर्माण शुरू नहीं होना कई सवाल खड़े कर रहा है।

आर्थिक विकास पर भी पड़ रहा असर

यह बायपास केवल ट्रैफिक समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास से भी जुड़ा हुआ है। इसके बनने से राजधानी रायपुर से बस्तर और दक्षिण भारत के लिए व्यापार, परिवहन और स्थानीय बाजारों को गति मिलनी थी। साथ ही भारी वाहनों को शहर से बाहर निकालकर शहरी सड़कों पर भीड़ और प्रदूषण कम करने का लक्ष्य भी अधूरा पड़ा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि इस महत्वपूर्ण परियोजना को प्राथमिकता देते हुए तत्काल निर्माण कार्य शुरू कराया जाए।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष पूजा-अर्चना

केशकाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर उनके दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं राष्ट्र के निरंतर विकास की मंगलकामना को लेकर मूंगबाड़ी शीतला मंदिर में विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया। इस अवसर पर केशकाल विधानसभा के विधायक नीलकंठ टेकाम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। विधायक श्री टेकाम ने मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घ एवं यशस्वी जीवन तथा देश की सुख-समृद्धि और निरंतर विकास की कामना की। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ, ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ पदाधिकारियों सहित नागरिक उपस्थित रहे।

स्कूली विद्यार्थियों और कार्यकर्ता परिवारों का सम्मान

कार्यक्रम में राष्ट्र की उन्नति और प्रगति के लिए प्रार्थना करने के साथ ही एक विशेष पहल की गई। परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान स्कूली विद्यार्थियों को एक पौधा एवं शॉल भेंट कर उनका हौसला बढ़ाया गया। इसके साथ ही, भाजपा के उन सक्रिय कार्यकर्ताओं जिन्होंने विभिन्न पदों पर रहकर हमेशा अच्छा कार्य किया, उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके परिवारजनों को भी एक शॉल और एक पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

बोरगांव लैम्प्स में खाद-बीज वितरण व्यवस्था का कलेक्टर ने लिया जायजा

फरसगांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने गुरुवार को विकासखंड अंतर्गत बोरगांव सहकारी समिति लैम्प्स का निरीक्षण कर खाद एवं बीज के भंडारण तथा वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों से चर्चा कर खाद की उपलब्धता और वितरण की स्थिति की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने समिति प्रबंधक से खाद-बीज के वर्तमान भंडारण, ई-पॉस मशीन के माध्यम से किए जा रहे वितरण तथा स्टॉक पंजी की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने किसानों को निर्धारित दरों पर समय पर खाद उपलब्ध कराने एवं वितरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों को खाद एवं बीज प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर ने मूंग एवं ढैंचा बीज के वितरण को सुनिश्चित करने तथा किसानों को हरित खाद के उपयोग के प्रति जागरूक करने के निर्देश भी दिए।

पॉलीटेक्निक प्रवेश काउंसलिंग 11 जून से

धमतरी। तकनीकी शिक्षा संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पॉलीटेक्निक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया 11 जून से प्रारंभ की जा रही है। इसके अंतर्गत भोपालराव पवार शासकीय पॉलीटेक्निक धमतरी तथा शासकीय पॉलीटेक्निक कुरूद में विभिन्न इंजीनियरिंग एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीटें उपलब्ध हैं। प्राचार्य अमित मिश्रा ने बताया कि वर्ष 1962 से संचालित भोपालराव पवार शासकीय पॉलीटेक्निक धमतरी तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट पहचान बनाए हुए हैं।

सुरक्षा के साए में आरटीआई कार्यकर्ता ने रखी अपनी बात

शिक्षाकर्मी भर्ती फर्जीवाड़ा में पांच और की जमानत खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶|धमतरी

कृष्णकुमार साहू

शिक्षाकर्मी भर्ती फर्जीवाड़ा के पांच आरोपियों की अग्रिम जमानत अर्जी जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने खारिज कर दी है। जमानत अर्जी खारिज होते ही आरोपी एक बार फिर भूमिगत हो गए हैं। इसके साथ ही उनकी गिरफ्तारी की संभावना भी बढ़ गई है।

मगरलोड क्षेत्र में वर्ष 2007 में हुई शिक्षाकर्मी भर्ती में जमकर फर्जीवाड़ा हुआ है। इस मामले में मगरलोड थाने में रिपोर्ट पंजीबद्ध है। इसकी जांच जिला पुलिस धमतरी की एसआईटी टीम जांच कर रही है। इस मामले के शिकायतकर्ता आरटीआई कार्यकर्ता कृष्णकुमार साहू ने बताया कि यह मामला 19 वर्ष से जांच में लंबित हैं। करीब 105 नामजद आरोपी हैं। भर्ती हेतु गठित चयन कमेटी के तत्कालीन सदस्य भरतलाल साहू तथा संतोषी साहू का निधन हो चुका है। इसी प्रकार आरोपित शिक्षाकर्मी पुष्पजीत साहू, तारेन्द्र कुमार ध्रुव, कृष्ण कुमार साहू, छम्मन लाल साहू, गजेन्द्र घृतलहरे, देवचरण बघेल, अंजनी यदु, ऐमन ध्रुव, देवेन्द्र कुमार, महेश कुमार साहू, दिलीप कुमार साहू एवं अनीता पटेल, महेन्द्र साहू, राजू सहित 17 आरोपी का निधन हो चुका है। तत्कालीन चयन कमेटी के सदस्य श्याम साहू जनपद अध्यक्ष, नीलकंठ सिन्हा, शत्रुहन साहू एवं नारायण ध्रुव, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी नम्मूराम साहू, पंचायत निरीक्षक बुधराम निषाद, महिला बाल विकास अधिकारी एसके सोनी सहित लगभग 24 से अधिक शिक्षाकर्मी उच्च न्यायालय बिलासपुर से अग्रिम जमानत पर हैं।

विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएं: नुपूर

कलेक्टर ने छात्रावास, लाइब्रेरी-शैक्षणिक संस्थानों का किया निरीक्षण

फरसगांव। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने फरसगांव विकासखंड के विभिन्न निर्माणाधीन एवं शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास का अवलोकन कर शेष कार्य समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय चिचाड़ी एवं कोरगांव के भवनों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। वहीं शासकीय महाविद्यालय फरसगांव में निर्माणाधीन लाइब्रेरी का निरीक्षण कर गुणवत्ता के साथ कार्य शीघ्र पूर्ण

करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने बोरगांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र का भ्रमण कर बत्तख, सुअर, बकरी एवं मत्स्य पालन से संबंधित गतिविधियों का जायजा लिया। प्रभावी संचालन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मानिटरिंग और शैक्षणिक गुणवत्ता में और सुधार का संकल्प

शाला प्रवेश उत्सव से लेकर अपार आईडी और यू डाइस प्रविष्टि तक विभिन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव/केशकाल

शिक्षा विभाग के अफसर को समयसीमा में कार्य करने के निर्देश
केशकाल विकासखंड में आयोजित हुई महत्वपूर्ण बैठक

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर जिले के सभी विकासखंड प्रभारियों एवं सहायक कार्यक्रम समन्वयकों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। विकासखंड केशकाल में शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन सहायक कार्यक्रम समन्वयक श्रीनिवास नायडू के नेतृत्व में किया गया। बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारी सी.एल. मंडावी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक बलराम नाग तथा सभी संकुल समन्वयक उपस्थित रहे। बैठक में विद्यार्थियों एवं विद्यालयों से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं और गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की गई। इनमें अपार आईडी निर्माण, एमबीयू, आधार सुधार, प्रोग्रेशन, शाला प्रवेश उत्सव, समर कैंप, सरस्वती साइकिल योजना, पाठ्यपुस्तक वितरण, गणवेश वितरण, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, यू–डाइस पोर्टल प्रविष्टि, वीएसके एप, शाला त्यागी एवं दिव्यांग बच्चों का सर्वे, आत्मरक्षा प्रशिक्षण तथा स्मार्ट क्लास एवं इंटरएक्टिव पैनल के माध्यम से उपचारात्मक शिक्षा जैसे विषय शामिल रहे।

प्रोग्रेशन कार्य में मिली कमी, विद्यालयों को दिए गए निर्देश

समीक्षा के दौरान पाया गया कि विकासखंड के कई हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी विद्यालयों एवं निजी विद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों के प्रोग्रेशन संबंधी कार्य अभी तक पूर्ण नहीं किए गए हैं। इस पर सहायक कार्यक्रम समन्वयक श्रीनिवास नायडू ने संबंधित विद्यालयों को निर्धारित समय–सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया गया जोर

बैठक में सभी संकुल समन्वयकों एवं शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक समय पर पहुंचे तथा सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। साथ ही आगामी शाला प्रवेश उत्सव की तैयारियों को बेहतर ढंग से संपादित करने पर भी चर्चा की गई। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विद्यालय स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने का संकल्प व्यक्त किया।

पेज 11 के शेष

परीक्षा केंद्र के बाहर ही...

इस पूरी परीक्षा के सुचारू और सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई थी। डिप्टी कलेक्टर मनीष कुमार वर्मा ने परीक्षा के नोडल अधिकारी, शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल श्रीवास्तव समन्वयक और सहायक प्राध्यापक डॉ. अजय सिंह ठाकुर को सहायक समन्वयक का दायित्व सौंपा गया था।

4.77 लाख का 500 बोरा...

इस पर टीम ने ट्रक सहित धान को जब्त किया और पांच गुना मंडी शुल्क एवं समझौता शुल्क सहित 58800 रुपए वसूल की गई हैं। इसके अलावा मंडी अधिनियम प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है कि जेडी की टीम बस्तर संभाग के 11 मंडियों में बिचौलिए और अवैध उपज के रोकथाम में जुटे हुए हैं।

अधूरी सड़क ने सरकार...

जनता धूल, गंदगी और जाम की समस्या से जूझ रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि आंखें मूंदे बैठे हैं। पटवा ने कहा कि अधूरी सड़क के कारण व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उड़ रही धूल दुकानों तक पहुंच रही है और व्यापार ठप होने की स्थिति में पहुंच गया है। संबंधित विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है और सरकार केवल सुशासन के खोखले दावे करने में व्यस्त है।

खबर संक्षेप

श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों का ई-केवाईसी करना अनिवार्य

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग के संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ पंजीकृत श्रमिक एवं श्रमिक परिवार के सदस्यों को प्राप्त करने हेतु पंजीकृत श्रमिक का ई-केवाईसी किया जाना अनिवार्य है। पंजीकृत श्रमिक के ई-केवाईसी पूर्ण उपरांत ही श्रमिक एवं श्रमिक परिवार के सदस्य मण्डल की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकता है। जिन श्रमिकों का ई-केवाईसी पूर्ण नही होगा वह मण्डल की योजनाओं का लाभ नही ले सकते। कार्यालय श्रम पदाधिकारी दंतेवाड़ा जिलादंतेवाड़ा छग की ओर से पंजीकृत श्रमिकों से निवेदन हैं कि जल्द से जल्द अपने नजदीकी लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से ई-केवाईसी पूर्ण कराये। ई-केवाईसी उपरांत विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ बिना किसी रूकावट या बाधा के प्राप्त होगा। ई-केवाईसी हेतु प्रति केवाईसी निर्धारित शुल्क 20 देय होगा।

बिहान योजना से आत्मनिर्भर बनीं मनिता कुंवर

बीजापुर। विकासखंड मुख्यालय भैरमगढ़ से 15 किलोमीटर दूर नियद नेल्लानार ग्राम पंचायत बांगोली के आश्रित ग्राम सतवा में आजीविका के नए अवसरों ने ग्रामीणों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाया है। पहले ग्रामीणों को दैनिक उपयोग की सामग्री खरीदने के लिए इंद्रावती नदी पार कर भैरमगढ़ या गीदम जाना पड़ता था, लेकिन अब गांव में ही आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। नक्सल प्रभाव से मुक्त होने के बाद राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के तहत जनपद पंचायत भैरमगढ़ द्वारा ग्राम सतवा में उसमुरिया स्व-सहायता समूह का गठन किया गया। समूह की महिलाओं को नियमित रूप से पंचसूत्र का पालन कराते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

अगली बार तीन लेयर की सुरक्षा भी नहीं आएगी काम: मनीष

दंतेवाड़ा में गरजा जनआंदोलन, डिपॉजिट-13 प्रोजेक्ट के विरोध में उमड़ा ग्रामीणों का हुजूम

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

बैलाडीला क्षेत्र में प्रस्तावित डिपॉजिट-13 खनन परियोजना एवं आरती स्पोंज एंड पावर लिमिटेड के खिलाफ बस्तरिया राज मोर्चा द्वारा निकाली जा रही पदयात्रा गुरुवार को दंतेवाड़ा पहुंची। जल, जंगल और जमीन की रक्षा की मांग को लेकर निकाली गई इस पदयात्रा में हजारों ग्रामीण शामिल हुए। बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी ने आंदोलन को मजबूती प्रदान की।

■ बस्तरिया राज मोर्चा का शक्ति प्रदर्शन, गूंजे जल, जंगल और जमीन बचाओ के नारे

सुबह लगभग 10 बजे गामावाड़ा से बस्तरिया राज मोर्चा के नेतृत्व में पदयात्रा शुरू हुई। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए ग्रामीण पूरे रास्ते जल, जंगल, जमीन बचाओ और खनन परियोजना वापस लो जैसे नारे लगाते हुए आगे बढ़े। दोपहर करीब 3 बजे पदयात्रा कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आया। कलेक्ट्रेट परिसर को तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था में रखा गया था। पुलिस बल के साथ वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर तैनात रहे और पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए रखी। कलेक्ट्रेट के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने कलेक्टर से सीधे मुलाकात कर ज्ञापन सौंपने की मांग की। प्रशासन की ओर से एसडीएम और तहसीलदार सहित अधिकारियों की टीम ज्ञापन लेने के लिए मौजूद थी, लेकिन बस्तरिया राज मोर्चा के सदस्य कलेक्टर को ही ज्ञापन सौंपने की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान नाराज ग्रामीणों ने कलेक्टोरेट के सामने मुख्य मार्ग पर लगभग डेढ़ घंटे तक चक्का जाम कर दिया, जिससे यातायात प्रभावित रहा। काफी समझाइश और बातचीत के बाद प्रदर्शनकारियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। मूल रूप से आंदोलनकारियों की सभा दुर्गा पंडाल में आयोजित होनी थी, लेकिन ज्ञापन सौंपने के बाद बस्तरिया राज मोर्चा के नेता मनीष कुंजाम ने पिकअप वाहन पर चढ़कर सड़क पर ही ग्रामीणों को संबोधित किया और आंदोलन को आगे भी जारी रखने का ऐलान किया।

उन्होंने प्रशासन पर ग्रामीणों की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। हम शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने आए हैं, लेकिन यदि प्रशासन और सरकार हमारी मांगों पर कार्रवाई नहीं करती है तो आने वाले समय में आंदोलन उग्र होगा। अगली बार यह तीन लेयर की सुरक्षा भी कुछ काम नहीं आएगी। जनता अपने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार है। इस दौरान बस्तरिया राज मोर्चा की वरिष्ठ सदस्य विमला सोरी ने कहा कि बैलाडीला क्षेत्र के जंगल, जमीन और प्राकृतिक संसाधन आदिवासी समाज की पहचान और जीवन का आधार हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीणों की सहमति के बिना खनन परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसका बस्तर की संस्कृति और पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, हम अपने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष कर रहे हैं। जब तक प्रस्तावित परियोजना वापस नहीं ली जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता सोनी सोरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और आंदोलनकारी मौजूद रहे। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

महिलाओं की बड़ी भागीदारी बनी आंदोलन की ताकत

पदयात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया और पूरे रास्ते जल, जंगल और जमीन बचाने के नारे लगाए। आंदोलनकारियों का कहना है कि यह लड़ाई केवल एक परियोजना के खिलाफ नहीं बल्कि बस्तर की पहचान और प्राकृतिक संसाधनों को बचाने की लड़ाई है। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

हवा व तूफान ने वनांचल के गांवों को पहुंचाया नुकसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोंटा

मानसून सत्र के करीब हवा तुफान ने कोंटा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में नुकसान पहुंचाया है। बुधवार शाम चले तेज हवा तुफान ने कई गरीब आदिवासियों के छत वनांचल क्षेत्र में उड़ाये हैं। वहीं कई मकानों पर पेड़ गिरने से भी ग्रामीणों को नुकसान हुआ है। हमारे संवाददाता के ग्रामीण के सूचना पर कोंटा विकासखंड के भेज्जी क्षेत्र का दौरा किया। जो कि कोंटा मुख्यालय से तकरीबन तीस किलोमीटर तक की थी। इस दौरान कोत्ताचेरू के सीआरपीएफ कैंप को हवा-तुफान ने नुकसान पहुंचाए दृश्य को देखा गया, जहां जवान अपने उजड़े ठिकाने को बनाते हुए नजर आए। हालांकि तेज चले हवा-तुफान ने किसी के जान का नुकसान नही पहुंचाया। लेकिन ग्रामीणों के कच्चे मकानों तथा ग्रामीण क्षेत्र में बन रहे प्रधानमंत्री आवास को काफी नुकसान हुआ हैं। गगनपल्ली पंचायत कुरतीपारा गांव में मड़कम मुन्ना पिता स्व. भीमा वेटटी मुका पिता ओमा वेटटी जोगा पिता जोगा मड़कम पोज्जे पिता नंदा सहित अनेक पर परिवारों अपने आशियाने को संवारते नजर आए ।

■ कुरतीपारा में गरीबों के उड़े छत, मकानों के ऊपर गिरे पेड़

गांव-गांव पहुंचकर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाई जाए शासन की योजनाएं: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने गुरुवार को कुआकोंडा विकासखंड के ग्राम पंचायत जबेली में आयोजित बस्तर मुन्ने अभियान शिविर का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं हितग्राहियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशानुरूप चिन्हित 31 हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का शत-प्रतिशत सेचुरेशन सुनिश्चित करते हुए कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने तथा विभिन्न योजनाओं से पात्र लोगों को जोड़ने पर विशेष बल दिया।

गैरेज से मिल रही नियमित आय

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

जनपद पंचायत उसूर अंतर्गत ग्राम चिलकापल्ली के शिक्षित युवक अमर मड़काम ने अनुसूचित जनजाति स्मॉल बिजनेस योजना का लाभ लेकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है। योजना के माध्यम से प्राप्त सहायता से उन्होंने बाइक गैरेज व्यवसाय शुरू कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया है। अमर मड़काम ने बताया कि उन्हें जनपद पंचायत उसूर के माध्यम से योजना की जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने जिला स्तरीय समिति के समक्ष बाइक गैरेज स्थापित करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। व्यवसाय शुरू होने से पहले रोजगार के अभाव में उन्हें और उनके परिवार को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। योजना के तहत सहायता मिलने के बाद उन्होंने अपने गांव में बाइक गैरेज की स्थापना की और वर्तमान में सफलतापूर्वक उसका संचालन कर रहे हैं। गैरेज से उन्हें प्रतिमाह लगभग 15 हजार रुपये की आय प्राप्त होती है। दुकान के संचालन खर्च और ऋण की निर्धारित मासिक किश्त जमा करने के बाद भी उन्हें लगभग 7 हजार रुपये की शुद्ध आय हो जाती है, जिससे परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिल रही है। अमर मड़काम ने कहा कि इस योजना ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है और उन्हें स्वरोजगार का बेहतर अवसर प्रदान किया है।

किसानों को डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने कलेक्टर से चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

खरीफ सीजन के मद्देनजर किसानों को डीजल की उपलब्धता में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसको लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने आज कलेक्टर से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की। संतोष गुप्ता ने बताया कि बुआई का कार्य शुरू हो चुका है और ट्रैक्टर, पंप सेट सहित अन्य कृषि कार्यों के लिए डीजल की मांग बढ़ गई है। कई बार पेट्रोल पंपों पर स्टॉक की कमी या आपूर्ति में देरी से किसानों को दिक्कत होती है। उन्होंने कलेक्टर से आग्रह किया कि जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर डीजल का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आपूर्ति व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग के लिए प्रशासनिक स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं, ताकि कहीं भी कमी की स्थिति में तत्काल समाधान हो सके। कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि प्रशासन किसानों की सुविधा के प्रति गंभीर है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को सभी पेट्रोल पंपों का स्टॉक रोजाना जांचने और ऑयल कंपनियों से समन्वय कर निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। खेती के समय डीजल के लिए उन्हें भटकना न पड़े, यह सुनिश्चित करना हम सबकी प्राथमिकता है।

दूरस्थ ग्राम बर्रेम व रेवली में कलेक्टर ने पीडीएस व्यवस्था का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज : दंतेवाड़ा

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने अपने ग्रामीण भ्रमण के दौरान दूरस्थ ग्राम बर्रेम एवं रेवली में संचालित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकान का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राशन भंडारण, वितरण व्यवस्था तथा हितग्राहियों को मिलने वाली सुविधाओं की विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने पीडीएस दुकान में उपस्थित रेवली एवं बर्रेम के ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए पूछा कि उन्हें निर्धारित मात्रा में राशन समय पर प्राप्त हो रहा है या नहीं। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस पर कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राशन वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में दुर्गम क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित होने की संभावना रहती है। इसे देखते हुए रेवली एवं बर्रेम के लगभग 350 राशन कार्डधारी परिवारों के लिए चार माह का अग्रिम राशन उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वर्षा ऋतु के दौरान ग्रामीणों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को राशन भंडारण, वितरण और निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ सुचारु रूप से मिलना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से भी किसी समस्या की स्थिति में तत्काल प्रशासन को अवगत कराने की अपील भी की। इस दौरान जनपद पंचायत सीईओ तरुण देशमुख सहित मैदानी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रशासन ने रुकवाई दो नाबालिगों की शादी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार जागरूकता एवं निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में आज ग्राम पंचायत मूचनार के पारा मूचनार कोडनार में प्रस्तावित बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारियों एवं ग्राम स्तरीय टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग बालक-बालिका का विवाह रुकवाया गया।

■ बाल विवाह नहीं कराने संबंधी सहमति पत्र पर किए हस्ताक्षर

जानकारी के अनुसार बालिका की आयु 16 वर्ष तथा बालक की आयु 17 वर्ष पाई गई, जो कि विधि अनुसार विवाह के लिए निर्धारित आयु से कम है। टीम द्वारा दोनों पक्षों के परिजनों को बाल विवाह के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों तथा बच्चों के शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के संबंध में विस्तार से समझाइश दी गई। समझाइश के पश्चात दोनों परिवारों ने बाल विवाह नहीं कराने की सहमति व्यक्त की तथा इस संबंध में सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने परिजनों से बच्चों की शिक्षा एवं समुचित विकास पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

इस दौरान परियोजना अधिकारी नरेश कुमार भोई, सेक्टर सुपरवाइजर सुश्री ऋषिका नेताम, ग्राम सरपंच, पंच, सचिव, चाइल्ड हेल्पलाइन से गोपीचंद एवं सुश्री भागेश्वरी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि बाल विवाह की किसी भी सूचना की जानकारी तत्काल संबंधित विभाग अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन को दें, ताकि बच्चों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी का 4399 दिन का कार्यकाल बना मील का पत्थर

दंतेवाड़ा। विधायक चैतराम अटामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर लगातार 12 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर बधाई देते कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वास, विकास व वैश्विक नेतृत्व के 12 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। मोदी देश के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास, आशाओं और आकांक्षाओं की विजय है। 1984 में जब भाजपा केवल दो सीटों पर सिमट गई, तब विरोधियों ने उपहास किया, लेकिन हम कार्यकर्ताओं का विश्वास अडिग था। हमें भरोसा था कि यह संघर्ष एक दिन राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन बनेगा और फिर वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 282 सीटों के ऐतिहासिक जनादेश ने उस विश्वास को साकार कर दिया। 26 मई 2014 को जब मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब स्पष्ट हो गया था कि यह केवल सरकार का नहीं, बल्कि राष्ट्र के विचार का परिवर्तन है। यह राजनीति को सत्ता से सेवा की ओर ले जाने का संकल्प था। एक साधारण परिवार से निकलकर देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद तक पहुँचे मोदी आज भी गांव, गरीब, किसान और वंचित वर्ग की पीड़ा को उसी संवेदनशीलता से समझते हैं।

समर कैम्प में नई विधाएं और कौशल सीख रहे बच्चे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बचेली

नगर के पीएम श्री सरस्वती प्राथमिक स्कूल बचेली में बच्चों के हुनर को निखारने और उनके चहुंमुखी विकास के लिए 10 दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। 2 जून से शुरू हुआ यह समर कैंप 12 जून तक चलेगा। कैंप को लेकर स्कूली बच्चों में भारी उत्साह देखा जा रहा है, जहाँ वे प्रतिदिन बेहद रुचि के साथ नई-नई विधाएँ और कौशल सीख रहे हैं।

इस समर कैंप के दौरान बच्चों को केवल किताबी ज्ञान से इतर उनके मानसिक और शारीरिक विकास के लिए विभिन्न सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कैंप में चित्रकला और हस्तकला के माध्यम से बच्चे अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन कर रहे हैं। बच्चों को स्वस्थ और एकाग्र रहने के लिए नियमित रूप से योग अभ्यास और खेलकूद (जैसे कैरम व अन्य खेल) सिखाया जा रहा है। संगीत और नृत्य के प्रति बच्चों का रुझान बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा कहानी वाचन, वाद-विवाद प्रतियोगिता, क्विज़, भाषा कौशल और टीम बिल्डिंग गेम्स जैसी गतिविधियों से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाया जा रहा है। बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के साथ-साथ विज्ञान के सरल प्रयोगों के जरिए उनकी तार्किक क्षमता को विकसित किया जा रहा है। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दीपक सरकार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा गर्मी की छुट्टियों का सही सदुपयोग करने और बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाने के उद्देश्य से इस 10 दिवसीय कैंप की रूपरेखा तैयार की गई है। आज के दौर में बच्चों का केवल पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि हर क्षेत्र में आगे रहना जरूरी है।

कार्यालय कलेक्टर जिला बस्तर जगदलपुर

-: उद्घोषणा :-

रा.प्र.क्र.- 116/अ-4/2025-2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चरणजीत कौर पति स्व. सरवन सिंह एवं अन्य निवासी मोतीतालाबपारा जगदलपुर के द्वारा मोहल्ला मोतीतालाबपारा शीट क्रं. 46 भूखण्ड क्र. 49/4 क्षेत्रफल. 957 वर्गफुट, भू-भाटक 0.04 रूपये स्थाई पट्टे की भूमि को नवीनीकरण करने आवेदन प्रस्तुत किया गया है प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा/आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 23/06/2026 तक स्वयं या अपने विधिमान्य अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा/आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/06/2026 को न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

मुहर

नजूल अधिकारी
जगदलपुर

खबर संक्षेप

ओबीसी महासभा का सरकार को ज्ञापन

जगदलपुर। ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम के नेतृत्व में साध्वी निरंजन ज्योति अध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को दो ज्ञापन सौंपा गया। अन्य पिछड़ा वर्ग के संवैधानिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक अधिकारों के संरक्षण ओर संवर्धन हेतु दस सूत्रीय मांग का उल्लेख है। वहीं छत्तीसगढ़ की कई पिछड़ी जातियों एवं उपजातियों को केंद्रीय पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल करने की मांग उठाई गई।
मांगों में ओबीसी को पूर्ण संवैधानिक दर्जा प्रदान किया जाए, लंबित 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को अविलंब लागू किया जाए, बैकलॉग पदों पर विशेष भर्ती की जाए, सभी राज्यों में ओबीसी आरक्षण की समान व्यवस्था लागू की जाए, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के समान ओबीसी विद्यार्थियों को लाभ दिया जाए, प्रचलित आरक्षण के बराबर प्रावधान किया जाए, ओबीसी सुरक्षा कानून बनाया जाए। ज्ञापन सौंपने प्रदेश अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष महावीर कलिहारी, अध्यक्ष युवा मोर्चा चंदू देवांगन, सचिव भूपेंद्र साहू, संभाग अध्यक्ष रायपुर हेमंत साहू, दुर्ग जिला अध्यक्ष भानु प्रताप यादव, महासचिव लाल बहादुर यादव, अध्यक्ष महिला मोर्चा बरखा गुप्ता, भागीरथी साहू, विनय यादव, प्रेमप्रकाश सहित दिनेश, रघुवंश, हरिश, गेंदलाल, सुरेन्द्र, शंकर मंडल शामिल थे। यह जानकारी अध्यक्ष ओबीसी महासभा बस्तर दिनेश यदु ने प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

हिरलाभाटा में उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए मांगे गए आवेदन

जगदलपुर। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बस्तर द्वारा छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2016 में निहित प्रावधानों के तहत विकासखंड बस्तर के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिवनी के ग्राम हिरलाभाटा में शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालन हेतु आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों, ग्राम पंचायतों, स्थानीय नगरीय निकायों, वन सुरक्षा समितियों, तीन माह पूर्व पंजीकृत महिला स्व सहायता समूहों से 24 जून तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है।

जल जीवन मिशन लाया खुशियां, तोकापाल की महिलाओं ने ली राहत की सांस

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

अब ग्रामीण महिलाओं को पीने और निस्तारी के पानी के लिए भटकना नहीं पड़ रहा

रोज सुबह उठते ही घर में नल से साफ पानी आते देखने की खुशी क्या होती है, इसे कमली से पूछिए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव को अपने आंगन में लगे नल से आ रहे पानी की धार को दिखाते खुशी से उनकी आंखें डबडबा गईं। जल जीवन मिशन ने कमली जैसी हजारों महिलाओं को अमूल्य खुशियां दी हैं। कभी पीने और निस्तारी के पानी के लिए दिनभर चिंतित रहने वाली इन महिलाओं का जीवन घर में लगे नल ने बदल दिया है।

उप मुख्यमंत्री साव अपने चार दिनों के बस्तर प्रवास के दौरान जल जीवन मिशन का काम देखने कमली के भी गांव पहुंचे। कमली के गांव बस्तर जिले के तोकापाल विकासखण्ड के दुगनपाल में उन्होंने कुछ और घरों में भी जाकर नल से पानी आते देखा। जल जीवन मिशन से घर में पानी पहुंचने की खुशी सभी महिलाओं के चेहरे पर दिख रही थी। जल जीवन मिशन दूरस्थ गांवों और वनांचलों की महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है। आधी आबादी के एक बड़े हिस्से को पीने के पानी के लिए रोज जूझना पड़ता था। खासतौर से गर्मियों के दिनों में जब हर साल सिर पर पानी के बर्तन का सफर कुछ सौ मीटरों से कुछ किलोमीटरों में बदल जाता था।

जीवन के लिए अनिवार्य जरुरत पानी की व्यवस्था गर्मियों में महिलाओं का जीवन दुष्कर बना देती थी। दुगनपाल में भी महिलाओं को रोज गांव के हैंडपंप या कुआं पर जाकर घर के सभी लोगों के लिए पानी का इंतजाम करना पड़ता था। घर में नल लग जाने से अब इस समस्या से निजात मिल गई है। जल जीवन मिशन के काम जैसे-जैसे पूरे होते जा रहे हैं, महिलाओं की बाहर से पानी लाने की चिंता और तकलीफ दूर होते जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में अब तक साढ़े आठ हजार से अधिक योजनाओं को पूर्ण कर संचालन के लिए पंचायतों को सौंपा जा चुका है।

श्रम और समय की बचत

जल जीवन मिशन हर घर तक नल से जल पहुंचाने के साथ ही महिलाओं को कई समस्याओं से निजात दिला रहा है। घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचने से वे कई चिंताओं से मुक्त हो गई हैं। अब रोज-रोज पानी के लिए बहुत सारा श्रम और समय नहीं लगाना पड़ता। इससे उन्हें घर के दूसरे कामों, बच्चों की परवरिश, खेती-बाड़ी एवं आजीविका के अन्य कार्यों के लिए अधिक समय मिल रहा है और वे इन कार्यों पर अपना ज्यादा ध्यान व समय दे पा रही हैं।

जीवन स्तर में सुधार

जल जीवन मिशन से बारहों महीने घर पर ही जलापूर्ति से लगातार बारिश तथा गर्मी के दिनों में बाहर से पानी लाने की मुसीबत दूर हो गई है। गर्मियों में जलस्तर के नीचे चले जाने से तथा बरसात में लगातार बारिश से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। गुणवत्ताहीन पेयजल से पेट तथा निस्तारी के लिए खराब जल के उपयोग से त्वचा संबंधी रोगों का खतरा रहता है। जल जीवन मिशन ने सेहत के इन खतरों को भी दूर कर दिया है।

ग्रामीणों ने दोषियों पर कार्रवाई और जांच की मांग की

सीसी सड़क निर्माण में 4 लाख का घालमेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत तारागांव के सोलापारा, खासपारा एवं पदमपारा में सीसी सड़क निर्माण कार्यों के नाम पर राशि के दुरुपयोग एवं वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सीसी सड़क निर्माण के नाम पर लगभग 4 लाख रुपये आहरित की गई है, जबकि मौके पर निर्माण कार्य दिखाई नहीं देता।

- चित्रकोट के तारागांव में ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

ग्रामीणों का कहना है कि जब इस संबंध में जानकारी मांगी जाती है, तो सीसी सड़क निर्माण के बजाय मोटर लगाने की बात कही जाती है। वहीं पदमपारा में भी सीसी सड़क निर्माण के नाम पर राशि निकाले जाने की जानकारी सामने आई है जिससे पूरे मामले में पारदर्शिता और कार्यों की वास्तविकता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस संबंध में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) एवं बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के जिला महामंत्री संतु कश्यप ने कहा कि यदि गांवों के विकास के लिए आने वाली शासकीय राशि इसी प्रकार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती रही, तो ग्रामीण क्षेत्रों का विकास कैसे होगा। सरकार द्वारा गांवों के विकास और मूलभूत सुविधाओं के लिए बड़ी मात्रा में राशि स्वीकृत की जाती है, लेकिन यदि कार्य केवल कागजों में पूरे दिखाकर राशि निकाल ली जाए, तो यह ग्रामीणों के अधिकारों के साथ अन्याय है।

मोर्चा ने कहा कि सोलापारा, खासपारा एवंके पदमपारा में स्वीकृत सीसी सड़क निर्माण कार्यों की तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराई जानी चाहिए। संबंधित कार्यों की स्वीकृति, भुगतान विवरण, माप पुस्तिका (एमबी), कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र तथा अन्य दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति जनता के सामने लाई जाए।

उन्होंने कहा कि यदि जांच में बिना कार्य कराए राशि आहरित किए जाने की पुष्टि होती है, तो दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए तथा शासकीय राशि की वसूली भी की जानी चाहिए।

दोषियों पर कार्रवाई की मांग

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) एवं बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि मामले को दबाने का प्रयास किया गया, तो ग्रामीणों के साथ मिलकर संवैधानिक तरीके से होगा आंदोलन ।

ये रहे मौजूद

इस दौरान जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) एवं बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के जिला महामंत्री संतु कश्यप, चित्रकूट विधानसभा अध्यक्ष कमल बघेल युवा अध्यक्ष सूरज कश्यप, कुंवर मांडवी, सुकलु मांडवी, बुटलु कश्यप, मनु कश्यप, सनकु मांडवी, धनी मांडवी, गुड्डू मांडवी, शुद्धू मांडवी, भगत मांडवी, सुमन मांडवी, सुनील मांडवी, बिंदु मांडवी, सुको कश्यप सहित ग्राम के बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। उपस्थित ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की तथा विकास कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की बात कही।

घटिया भवन निर्माण पर ठेकेदार देगा ढाई लाख रुपए मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

■ जिला उपभोक्ता आयोग की संयुक्त खंडपीठ ने जारी किया आदेश

जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा बुधवार को एक प्रकरण में भवन निर्माता ठेकेदार द्वारा आवेदक को गुणवत्ता विहीन कार्य हेतु क्षतिपूर्ति राशि 2.5 लाख रुपए, शेष अपूर्ण कार्य पूर्ण करने और मानसिक पीड़ा हेतु 20 हजार रुपए की क्षतिपूर्ति अदा करेगा। यह आदेश आयोग की अध्यक्ष सुजाता जसवाल, सदस्य आलोक कुमार दुबे और सीमा गोलछा की संयुक्त खंडपीठ द्वारा जारी किया गया है।

न्यायालयीन सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर निवासी तृप्ति खत्री ने अपने नए मकान के निर्माण हेतु अजीत गिरी कंस्ट्रक्शन जगदलपुर जो भवन निर्माण का कार्य करता है से संपर्क किया था। इसके पश्चात उभय पक्षों के मध्य 1200 वर्गफीट भूमि पर 1270 रुपए की दर से भवन निर्माण किए जाने का अनुबंध पत्र निष्पादित किया गया था। निर्धारित समय अवधि में मकान निर्माण कार्य पूर्ण नहीं होने के कारण ठेकेदार को भवन निर्माण हेतु अतिरिक्त समय भी प्रदान किया गया था। पश्चात भवन के निर्माण का कार्य पूर्ण न होने पर आवेदक द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई गयी थी, जिस पर भी ठेकेदार द्वारा भवन निर्माण का कार्य पूर्ण नहीं किया जा सका था। आवेदक द्वारा एक स्वतंत्र भवन निर्माण एजेंसी से भवन निर्माण में हुए कार्य का आंकलन करवाया गया था, जिससे यह स्पष्ट था कि ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता विहीन, अपूर्ण भवन निर्माण कार्य किया गया है। ठेकेदार द्वारा भवन निर्माण का कार्य पूर्ण करने से मना करने पर आवेदक द्वारा आयोग के समक्ष शिकायत पेश की गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने माना कि ठेकेदार द्वारा अनुबंध के अनुसार निर्माण कार्य करने की राशि प्राप्त कर निर्धारित समय अवधि के भीतर कार्य पूर्ण न कर सेवा में कमी एवं व्यावसायिक कदाचरण किया गया है। इससे आवेदक को हुई मानसिक पीड़ा हेतु 20 हजार रुपए की क्षतिपूर्ति भी दिए जाने का भी आदेश पारित किया गया है।

यमन, राग दरबारी दुर्गा सहित 15 रागों की प्रस्तुति से झूमे श्रोता

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शास्त्रीय संगीत संस्था दंतेश्वरी संगीत महाविद्यालय ने संस्थापक पंडित रामदास वैष्णव की स्मृति में शौर्य भवन में वार्षिक उत्सव का दीप

- दंतेश्वरी संगीत महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव में प्रतिभागियों का हुआ सम्मान

प्रज्ज्वलन के बाद शुरूआत की गई। छात्राओं ने सरस्वती वन्दना की प्रस्तुति के बाद अलंकार राग यमन से होते हुए राग दरबारी, दुर्गा, बिहाग, असावरी जैसे 15 रागों की मधुर और लालित्य पूर्ण प्रस्तुति कर श्रोताओं को देर रात तक भाव विभोर रखा। संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बड़ा खयाल और छोटा खयाल में आलाप विस्तार और सुंदर तान गाते हुए तराना प्रस्तुत की। इसके पश्चात प्राचार्या संध्या वैष्णव ने राग मारु बिहाग में एक बंदिश प्रस्तुत की जिसे श्रोताओं ने सराहा। फिर भैरवी की प्रस्तुति हुई। संगीत महाविद्यालय की प्राचार्या ने बस्तर अंचल में की जा रही संगीत सेवाओं का उल्लेख किया और संगीत के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में महापौर संजय पांडे, पुलिस महानिरीक्षक पी सुंदरराज, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, मुख्य वन संरक्षक सुश्री स्टाइलो मंडावी सहित गणमान्य और संगीत के रसिक श्रोता उपस्थित थे। अंत में प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र अतिथियों ने प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन ऋतु त्रिवेदी और प्रभु बेदी ने किया।

सात लाख से अधिक कीमत का गांजा जब्त, एमपी का तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

मादक पदार्थ गांजा के की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए बोधघाट पुलिस ने एक आरोपी का गिरफ्तार किया है जो मध्यप्रदेश के भोपाल का रहने वाला है। नया बस स्टेण्ड में बस का इंतजार कर रहे आरोपी के कब्जे से सात लाख रूपए से अधिक का अवैध गांजा बरामद किया गया है।

गांजा तस्करी की सूचना पर एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश, एएसपी माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन व सीएसपी सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में टीम गठित किया गया था।

टीम को सूचना मिली थी कि नया बस स्टैंड जगदलपुर के पीछे आम पेड़ के पास एक युवक बैग में नशे के रूप में उपयोग होने वाले अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर बिक्री करने के लिए परिवहन करने बस का इंतजार कर रहा है। टीम द्वारा रेड कार्यवाही करते हुए संदेही युवक को हिरासत में लिया गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम शुभम प्रजापति 28 वर्ष निवासी ट्रांसपोर्ट नगर भोपाल मध्यप्रदेश का रहने वाला बताया। उसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा 15.654 किलो के अलावा मोबाइल व नगदी रकम 500 रूपए बरामद कर जब्त किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विशेष एनडीपीएस न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया।

कार्रवाई में इनकी रही अहम भूमिका

गांजा तस्करी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजने में निरीक्षक टामेश्वर चौहान के अलावा उप निरीक्षक लोकेश्वर नाग, एएसआई दिनेश उसेंडी, प्रधान आरक्षक अहिलेश नाग, सुनील मनहर, व्यास नारायण, डोलामनी भोई, आरक्षक दीपक मिंज, राम ठाकुर, युवराज ठाकुर, कामदेव दर्रो, होरी लाल आर्यों, विपिन मिंज, बामन सेन व परमानंद भोयर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खाद-बीज संकट को लेकर किसान कांग्रेस ने निकाली आक्रोश रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में व किसान कांग्रेस अध्यक्ष दयाराम कश्यप की अगुवाई में किसान कांग्रेस ने आज आक्रोश रैली निकाल सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों की

- किसान कांग्रेस ने निकाली आक्रोश रैली
- 9 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा

विभिन्न समस्याओं, कृषि कार्यों में आ रही बाधाओं तथा खाद-बीज की कालाबाजारी के विरोध में 9 सूत्रीय मांगो का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा गया। मौर्य ने कहा बस्तर सहित पूरे प्रदेश का किसान आर्थिक संकट, बढ़ती लागत और प्रशासनिक लापरवाही से जूझ रहा है। समय रहते किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो इसका सीधा असर कृषि उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। सरकार किसानों के हित में संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल प्रभावी कदम उठाए।

कश्यप ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस लगातार संघर्ष कर रही है, लेकिन सरकार किसानों की आवाज सुनने को तैयार नहीं है। किसानों के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी और उनकी अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। किसान कांग्रेस की मांग है कि किसानों को सहकारी समितियों एवं अधिकृत केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज उपलब्ध कराया जाए, खाद-बीज की कालाबाजारी और जमाखोरी पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

पुलिस ने रोका रैली को

नारेबाजी करते कांग्रेसी ज्ञापन देने के लिए कलेक्टोरेट जा रहे थे। इस दौरान पुलिस ने स्टापर लगाकर जाने नहीं दिया। बड़ी संख्या में मौजूद सशस्त्र जवानों ने कांग्रेसियों के विरोध को विफल करते हुए भीड़ को आगे नहीं बढ़ने दिया।

ये रहे मौजूद

इस दौरान पूर्व विधायक रेखचंद जैन, प्रेमशंकर शुक्ला, किसान कांग्रेस प्रभारी देवाल सिंह नेताम, कविता साहू, जिला उपाध्यक्ष अतिरिक्त शुक्ला, वीरेंद्र परिहार, सुरेंद्र झा, महामंत्री प्रशांत जैन, सूरज कश्यप, रोजविन दास, मनोज साहनी, हेमू उपाध्याय, ब्लॉक अध्यक्ष बलराम यादव, सूर्यापानी, संतोष सेठिया, धनुर्जय,मोती कश्यप,सोनाधर बघेल, शिव राम बिसाई, महादेव नाग, गणेश भारती, प्रेम शेट्टी, वीरेंद्र साहनी,सहित अन्य मौजूद रहे।

बुलडोजर से हटाया अतिक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिले में अवैध कब्जा हटाने के लिए राजस्व और पुलिस प्रशासन की टीम ने जेसीबी बुलडोजर से कार्रवाई की। अतिक्रमण हटाने के

- छोटे बच्चों के साथ महिलाएं जेसीबी के सामने लेट गई
- एक विधवा के मकान को भी तोड़ा गया, पूर्व विधायक और ग्रामीणों ने किया विरोध

दौरान पूर्व विधायक चंदन कश्यप सहित स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने भारी विरोध किया । बस्तर ब्लॉक के ग्राम मुंडागांव बाजार स्थल में अवैध कब्जा किये 16 में से 13 को नोटिस दिया गया था। शासकीय भूमि में अतिक्रमण पर मकान तोड़ने की कार्रवाई की जा रही थी जिसका विरोध ग्रामीण और महिलाओं ने किया। महिलाएं छोटे बच्चों के साथ जेसीबी के सामने सो गई। उनका कहना है कि तीन-चार घर को छोड़कर बाकी घर को तोड़ने की कार्रवाई की जा रही थी। सबसे पहले सरपंच का घर तोड़े उसके बाद बाकी लोग का तोड़े । ग्रामीणों ने प्रशासन द्वारा भेदभाव करने पर आक्रोश व्यक्त किया। एक विधवा का अवैध मकान को तोड़ने के दौरान ग्रामीणों ने भारी विरोध किया जिसके बाद स्थानीय ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकताओं के भारी विरोध के कारण प्रशासन की टीम को बुलडोजर सहित वापस लौटना पड़ा।

भगवान श्रीमन्नारायण को अर्पित किए गए सवा लाख तुलसी दल

एकादशी पर लक्ष्मीनारायण मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर के पनारापारा स्थित प्राचीन लक्ष्मीनारायण मंदिर में गुरुवार को एकादशी पर्व के अवसर पर भक्ति, श्रद्धा और वैदिक परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। हरिहर महायज्ञ के अंतर्गत भगवान श्रीमन्नारायण को सवा लाख तुलसी दल अर्पित कर विशेष अर्चना की गई। देश के विभिन्न प्रांतों से पहुंचे वेदपाठी प्रकांड विद्वानों के वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु की आराधना कर सुख, समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की।

एकादशी पर्व होने के कारण सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर परिसर ओम नमो नारायणाय और वैदिक मंत्रों की पावन ध्वनि से गुंजायमान रहा। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से तुलसी अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आचार्य पंडित रोमितराज त्रिपाठी ने बताया कि बस्तर संभाग में पहली बार इतने व्यापक स्तर पर हरिहर महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस महायज्ञ का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व शांति, मानव कल्याण, सामाजिक समरसता और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संदेश देना भी है। उन्होंने कहा कि एकादशी के दिन भगवान विष्णु को तुलसी अर्पित करने का विशेष महत्व माना गया है और सवा लाख तुलसी अर्चना का यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए दुर्लभ आध्यात्मिक अवसर है।

108 ब्राह्मणों का पूजन व ब्राह्मण भोज आज

हरिहर महायज्ञ के पांचवें दिन शुक्रवार को विशेष धार्मिक कार्यक्रम के तहत 108 ब्राह्मणों का पूजन, वरण एवं ब्राह्मण भोज आयोजित किया जाएगा। लक्ष्मीनारायण मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित किशोर तिवारी ने बताया कि एक साथ 108 ब्राह्मणों का पूजन और सम्मान अत्यंत दुर्लभ धार्मिक अवसर माना जाता है। सनातन परंपरा में ब्राह्मण सेवा और सम्मान को विशेष महत्व प्राप्त है तथा इस प्रकार के आयोजन समाज में धार्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं।